# भाकृअनुप-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान,मुंबई मे गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन

भा कृ अनु प-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर 74वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत निदेशक व कुलपति डॉ. रविशंकर सी. एन. द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, इसके बाद राष्ट्रीय गान गाया गया। निदेशक एवं संयुक्त निदेशक ने इस शुभ अवसर पर अपने संबोधन में सभी सीआईएफई परिवार को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में पचहत्तर वर्षों में हमारी सरकार द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डाला।उन्होने भारत की प्रगति जैसे संचार, सॉफ्टवेर और मत्स्य पालन जो आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान अच्छी तरह से विकसित हुये हैं,का उल्लेख किया। विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र द्वारा प्राप्त अभूतपूर्व वृद्धि एवं सफलता को देखते हुए, भारत अब सभी क्षेत्रों में एक वैश्विक शक्ति के रूप में पहचाना जाता है। निदेशक ने डॉ. एस. अयप्पन और डॉ. एम.वी.गुप्ता को लगातार दो वर्षों में पद्म पुरस्कार प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की, जो मत्स्य क्षेत्र की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। वर्तमान मुद्दों और देश के सामने आने वाली चुनौतियों, विशेष रूप से भूमि और पानी से संबंधित संसाधनों की कमी का उल्लेख करते हुए, निदेशक ने संस्थान द्वारा नई प्रौद्योगिकियों के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

निदेशक महोदय ने बताया कि सीआईएफई, मत्स्य महाविद्यालयों और अन्य संस्थानों से सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्राप्त करता है। इसलिए, इन प्रतिभाशाली छात्रों को छात्रों को उनके माता-पिता और संस्थान की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सीआईएफई में ढाला और तैयार किया जाता है। इस संदर्भ में, सभी संकाय और कर्मचारियों के समर्पित प्रयास और योगदान; संविदात्मक कर्मचारियों सहित, सभी को धन्यवाद देता हूँ । आगे अपने भाषण में, निदेशक ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) और प्रस्तावित मेगा विश्वविद्यालयों के बारे में हाल के घटनाक्रमों का उल्लेख किया। अपने समापन उद्बोधन में निदेशक महोदय ने CIFE के विकास को बनाए रखने के लिए राजस्व सृजन के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया।

मजबूत प्रौद्योगिकियों के विकास और व्यावसायीकरण के माध्यम से इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है । प्रौद्योगिकी विकास के लिए चल रहे प्रयासों को मजबूत करने के लिए, आईसीएआर-सीआईएफई ने वर्ष 2023 को 'ज्ञान व्यावसायीकरण का वर्ष' घोषित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीआईएफई के पास संभावित क्षमता के आधार पर, प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के माध्यम से राजस्व सृजन इस समतुल्य विश्वविद्यालय की प्रगति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। निदेशक के संबोधन के बाद छात्रों, कर्मचारियों और संकायों द्वारा देशभक्ति गीतों का पाठ किया गया और 'मछली स्वाद उत्सव' के पुरस्कार वितरित किए गए। समारोह के एक भाग के रूप में, निदेशक, संयुक्त निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नए परिसर के परिसर में पौधे लगाए। समारोह का समापन जीवंत खेल आयोजनों के साथ हुआ जिसमें संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। CIFE के सभी क्षेत्रीय केंद्रों (मोतीपुर, पोवारखेड़ा, कोलकाता, काकीनाडा और रोहतक) में भी गणतंत्र दिवस मनाया गया।